आयुर्वेद फेडरेशन ऑफ इंडिया

हमारा परिचय:

आयुर्वेद फेडरेशन ऑफ इंडिया, एक संगठन है जिसका निर्माण दो साल पहले हुआ था। हमारा उद्देश्य था देश भर में आयुर्वेद से जुड़े लोगों को एक साथ आने का माध्यम प्रदान करना। आयुर्वेद क्षेत्र में कई संगठन हैं, लेकिन इनमें कुछ बातें थी जो हमें सोचने पर मजबूर कर दी कि हमें कुछ विशेष कार्यवाही करनी चाहिए।

हमारे पूर्व गतिविधियाँ:

आयुर्वेद फेडरेशन ऑफ इंडिया के गठन के बाद, हमने पिछले दो सालों में कई आयुर्वेदिक मुद्दों पर काम किया है। हमने अपने कार्यक्षेत्र में जिन समस्याओं का सामना किया, उन पर गहरा विचार किया और उन्हें हल करने के लिए कई सफल कदम उठाए हैं।

समितियाँ और कार्य:

हमारे संगठन में विभिन्न समितियाँ हैं जो विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रही हैं।

अंतरराष्ट्रीय समिति : - हमने एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि संगठन की गठन की है, जो भारत की आयुर्वेदिक प्रकृतियों को विश्व में प्रस्तुत करने का कार्य कर रहा है।

छात्र समिति : - हमारे पास राष्ट्रीय स्तर पर छात्रों की समस्याओं को हल करने के लिए एक आंतरगत जनमंच है।

शैक्षणिक समिति :- जो आयुर्वेद की उच्च शिक्षा एवं चिकित्सा कौशल को उच्च कोटी पर ले जाने का प्रयास कर रही है।

- कड़ी कार्यवाही:

हमारे संगठन ने आयुर्वेद के मुद्दों को गहरी रूप से जांचा है और उन्हें हल करने के लिए कठिन प्रयासों को किया है। हमारे सदस्य अपने विभिन्न क्षेत्रों में अपने योगदान कर रहे हैं ताकि आयुर्वेद को बेहतर बनाने के लिए कठिनाइयों का सामना कर सकें।

- आयुर्वेद में कानूनी नीतियों पर काम :

हम आयुर्वेद क्षेत्र में कानूनी मुद्दों पर भी काम कर रहे हैं, जैसे आयुर्वेदिक इंजेक्शन्स और आयुर्वेद में डॉक्टर्स की डिग्री में विकास। हमारा उद्देश्य है कि आयुर्वेद के क्षेत्र में विकसित हो और यह एक और बढ़ोतर चिकित्सा प्रणाली के रूप में स्वीकार किया जाए।

आयुर्वेद फेडरेशन ऑफ इंडिया एक ऐसा संगठन है जो आयुर्वेदिक समस्याओं को गंभीरता से देखता है और उनके समाधान के लिए कठिनाइयों का सामना करता है। हम चाहते हैं कि आयुर्वेद विश्व में और भारत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए और इस प्राचीन चिकित्सा प्रणाली को आगे बढ़ाने में सहायक हो।

आयुर्वेद फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) एक आदर्श संगठन है जो आयुर्वेदिक समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा उद्देश्य सिस्टम के सभी प्रतिनिधियों को एक मंच पर आने और आपसी सहमति से एकत्र काम करने का है, जिससे हम आयुर्वेद को बेहतर बना सकें।

हमारे संगठन के सदस्य विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखते हैं और विभिन्न कमेटियों में शामिल हैं जो आयुर्वेद के विकास में सहायक हैं। हमारी इंटरनेशनल बॉडी आयुर्वेदिक विश्व में हमारे विरासत को प्रस्तुत करने के लिए काम कर रही है, जबकि नेशनल कमेटी भारत के आयुर्वेदिक समस्याओं को हाइलाइट करने के लिए प्रयासरत है।

हमारे संगठन के सदस्य नियमित आयुर्वेदिक चिकित्सकों, फार्मासिस्टों, शिक्षकों, और अन्य विभिन्न क्षेत्रों के लोग हैं, जो आयुर्वेद को समृद्धि दिलाने के लिए अपना योगदान दे रहे हैं।

- हम आयुर्वेद में कानूनी नीतियों पर भी काम कर रहे हैं, जैसे आयुर्वेदिक इंजेक्शन्स और आयुर्वेद में डॉक्टर्स की डिग्री में विकास। हम चाहते हैं कि आयुर्वेद को और भी अच्छा बनाया जाए और इसे विश्वभर में स्वीकार किया जाए।

हम आयुर्वेद के विकास के लिए गहरा विचार करते हैं और सिस्टम के हर होल्डर के लिए कठिनाइयों का सामना करने के लिए उनकी समस्याओं को ध्यान में रखते हैं। हम एकत्र आकर्षित होकर आयुर्वेद को आगे बढ़ाने का संकल्प रखते हैं और इसे देश और विश्व के स्तर पर महत्वपूर्ण चिकित्सा प्रणाली के रूप में प्रमोट करते हैं।

आयुर्वेद फेडरेशन ऑफ़ इंडिया की दिशा में:

1. संगठन का उद्देश्य:

- डॉक्टर्स डे पर भारत सरकार की मिनिस्ट्री आफ कॉरपोरेट अफेयर्स से रजिस्ट्रेशन प्राप्त किया
- देश में विभिन्न आयुर्वेद संगठनों के साथ समस्याओं के समाधान की दिशा में

2. संगठन के काम का आरंभ:

- समस्याओं के समाधान के लिए कमेटी गठित
- सेंट्रल गवर्नमेंट से रजिस्ट्रेशन

3. आयुर्वेद शिक्षा के मामले:

- उत्तर प्रदेश में अनधिकृत कॉलेजों का मामला
- स्टूडेंट्स के अधिकतर क्वालिफाइ होने के बावजूद रजिस्ट्रेशन में दिक्कत

4. समस्याओं के हल:

- अयोध्या में समस्या के हल के लिए काम किया
- हरियाणा में बीएमसी के छात्रों के लिए मान्यता प्राप्त

5. और भी समस्याएं:

- रेडियोलॉजी, पीसीपीएनडीटी एक्ट जैसे विषयों पर काम
- इन विषयों पर कोर्ट में लड़ाई

6. आयुर्वेद फेडरेशन की भूमिका:

- अयुष्मान भारत, आयुर्वेद विज्ञान, और अन्य चिकित्सकीय मुद्दों में सहायक संगठन

7. आयुर्वेद के सार्थक विकास की दिशा में:

- सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता

- संविदानिक और सामाजिक मुद्दों पर काम करने वाला एक मान्यता प्राप्त संगठन

8. आयुर्वेद वैद्यकीय विज्ञान में न्यायालय में एक्शन की दिशा में:

- अधिकतर विकल्पों के लिए काम करने वाले संगठन

- आयुर्वेदिक डॉक्टर्स की पहचान, मान्यता बढ़ाने के लिए

9. आयुर्वेद के स्वास्थ्य और सामाजिक प्रसारण के लिए नए माध्यम:

- सरकार और लोगों को आयुर्वेद के महत्व की जागरूकता

- आयुर्वेदिक चिकित्सा को और भी पहुँचाने के उपाय

10. आयुर्वेद के समर्थक और चिकित्सकों की मान्यता की वृद्धि:

- अधिक संबद्ध लोगों के साथ संगठनित काम करने के माध्यम

- आयुर्वेदिक चिकित्सकों को सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त करने की सुविधा

इस प्रकार, आयुर्वेद फेडरेशन ऑफ़ इंडिया विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं और आयुर्वेद के सार्थक विकास के साथ आयुर्वेद चिकित्सकों की मान्यता बढ़ाने के लिए काम कर रहा है।

- कई लोगों के द्वारा कहा गया है कि हम इस तरह के काम करने के अधिकृत नहीं हैं, जैसे जो ब्लड इन्वेस्टिगेशन की रिपोर्ट्स होती हैं या जांच होती है।

- आयुर्वेदिक चिकित्सकों को आयुर्वेद से संबंधित किसी भी विषय पर जांच नहीं करने दी जाती, इसके परिणामस्वरूप कई कानूनी चीजें हमसे छिन ली जाती हैं।

- आयुर्वेद फेडरेशन ऑफ इंडिया कई विषयों पर कार्य कर रहा है, जैसे कि विभिन्न प्रकार के परीक्षाओं के बारे में।

- कई डॉक्टर अपने विशेषज्ञता क्षेत्र के अनुसार विभिन्न प्रकार की परीक्षाएं दे सकते हैं, लेकिन आयुर्वेद के डॉक्टर को इस तरह के विषय में परीक्षा देने की अनुमति नहीं होती।

- आयुर्वेद फेडरेशन ऑफ इंडिया विभिन्न विषयों पर गंभीरता से काम कर रहा है और इसके साथ ही कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है।

- यह अद्भुत है कि आप और अन्य लोग मिलकर इस कार्य में सहयोग कर रहे हैं, और आप आयुर्वेद फेडरेशन ऑफ इंडिया के सदस्य बनने की अपील कर रहे हैं।

सदस्यताएं :

- आयुर्वेद फेडरेशन ऑफ इंडिया की कई सदस्यताएं हैं, जैसे

1. स्टूडेंट मेंबरशिप - जो छात्रों के लिए है, और
2. लाइफ टाइम मेंबरशिप - जो डॉक्टरों के लिए है, साथ ही
3. पेट्रोन मेंबरशिप भी है।

- इन सभी मेंबरशिप की अलग-अलग फीस होती है, और यह फीस संगठन के कार्यों के लिए उपयोग की जाती है।

- सगठन के सदस्य जब किसी मेंबरशिप के अंतर्गत आते हैं, तो उन्हें विभिन्न दायित्व दिए जाते हैं, जैसे कि

- स्टूडेंट मेंबर्शिप वाले सदस्यों को स्टूडेंट कमेटी में कार्य करने का अवसर मिलता है और स्टूडेंट एंबेसडर बनने का मौका मिलता है।

- सदस्यता के साथ-साथ, सगठन के सदस्यों को निगम की कमिटियों में भागीदारी करने का अधिकार होता है, और वोटिंग राइट भी होता है जब किसी कमिटी के पदाधिकारी चयन करने का समय आता है।

- सदस्यों को अग्रीमेंट लेने के साथ अपने आदर्श और उद्देश्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहना होता है, जिससे संगठन के द्वारा दी गई फायदों का उपयोग किया जा सकता है।

- आयुर्वेद फेडरेशन ऑफ इंडिया ने आयुर्वेदिक समुदाय के विकास और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए कई पहल की है, और इसका उद्देश्य है कि सब लोग मिलकर एक बेहतर और स्वस्थ जीवन जी सकें।

- **आयुर्वेद फेडरेशन ऑफ इंडिया ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की, जिसमें वह देशभर में आयुर्वेद मेडिकल स्टोर्स को नियामित करने के लिए व्यवस्था करने की मांग की।**

- पहले आयुर्वेद मेडिकल स्टोर को बिना लाइसेंस के खोलने की अनुमति थी, जिसके कारण आयुर्वेदिक दवाइयां बिना पर्याप्त जांच और प्रिस्क्रिप्शन के बिना बेची जाती थी।

- आयुर्वेद फेडरेशन ऑफ इंडिया ने भारत सरकार और प्रधानमंत्री के साथ सहयोग करते हुए, आयुर्वेद मेडिकल स्टोरों की सही ढंग से लाइसेंसिंग की व्यवस्था को नियमित किया।

- इसके लिए, आयुर्वेद फेडरेशन ऑफ इंडिया ने भारत सरकार को और संबंधित डिपार्टमेंट को एक 70 पेज के प्रस्तावना पत्र भेजा और अपने पॉइंट्स को सुझाव के रूप में प्रस्तुत किया।

- इसके परिणामस्वरूप, सभी पॉइंट्स को मध्यस्थता किया गया और इसका ड्राफ्ट तैयार किया जा रहा है, जिसमें आयुर्वेद फेडरेशन ऑफ इंडिया के द्वारा किए गए सभी कार्यक्रमों और कमेटियों को समाहित किया जा रहा है।

- इसके अलावा, आयुर्वेद फेडरेशन ऑफ इंडिया ने आयुर्वेद से संबंधित डॉक्टरों के प्रिस्क्रिप्शन के बिना आयुर्वेदिक दवाइयों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के लिए अपील की है ।